यूनियन बैंक
ऑफ इंडिया

यूनियन ग्रीन कार्ड किसान का सच्चा साथी

चंदू काका उदास काहे बैठे हो?
क्या कहें हरिया, पैसे की तंगी तो साथ ही नहीं छोड़ती.
कैसी बातें करते हो काका. फसल तो बहुत अच्छी हुई थी.
वह तो होनी ही थी. यूनियन बैंक के ग्राम ज्ञान केंद्र से सलाह जो ली थी.

उन्होंने समझाया था कि उन्नत बीज, समय पर खाद, पानी व दवा का क्या महत्व है. यह सब उसी का फल है.
वाह!
तो क्या दाम ठीक नहीं मिले?
नहीं, यह बात नहीं है.
फिर क्या समस्या है?

अच्छी फसल के लिए मैंने बढ़िया बीज, खाद दवा खरीदी थी.
खाद
उसके लिए दुकानदार और डीलर से उधार लेना पड़ा.
अब होगी बढ़िया फसल
उसने ऊंचे दाम तो लिए ही, ब्याज भी मोटा काट लिया.
लाभ ही लाभ
यानी महाजन के चंगुल से बचे तो दुकानदार के चंगुल में फंसे.

हद करते हो. गांव में बैंक होते हुए भी बाहर से उधारी करी.
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक
Union Bank of India
Good people to bank with
तो और क्या करता?
मुझे देखो, मैंने भी यह सब खरीदा लेकिन यूनियन ग्रीन कार्ड से.
यूनियन ग्रीन कार्ड?

हां, इसके माध्यम से किसान फसल उत्पादन एवं अन्य कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु ऋण प्राप्त कर सकता है.
अच्छा.
पर तुमने यूनियन ग्रीन कार्ड क्यों नहीं लिया?
पर मुझे कौन देगा? क्या बैंक मुझ जैसे की मदद करेगा.
क्यों नहीं करेगा?

कमाल है! तुम तो इस बारे में सब जानते हो.
सब कुछ तो मैनेजर साहब जानते हैं. देखो वह इधर ही आ रहे हैं. बाकी उन्हीं से पूछते हैं.
कैसे हो हरिया. तुम्हारे कार्ड के तीन वर्ष पूरे हो गये, उसका नवीनीकरण होगा.
बैंक में
जी मुझे उसकी ऋण सीमा भी बढ़वानी है.

क्यों नहीं बस पिछला बकाया चुकता कर दो.
आपने अच्छा याद दिलाया. अभी फसल बेची है, पैसे हाथ में हैं. मैं आज ही आ जाता हूं.
गोदाम
मंडी
500/-
बहुत अच्छे, तुम तो पढ़े-लिखे हो. बचत खाते में चेकबुक भी ले लेना.
और हां, यूनियन ग्रीनकार्ड खाते का ए.टी.एम. कार्ड भी ले लेना.
ए.टी.एम. कार्ड?

हां, उससे जब चाहे ए.टी.एम. से राशी निकाल कर बाजार से सामान भी खरीद सकते हो.
ए.टी.एम.
यूनियन बैंक आफ इंडिया
यानी सरल व सुरक्षित पैसा.
अगले माह बहन का ब्याह है. मेरा सारा पैसा तो इसी में खर्च हो जाएगा.
फिर खेतीबाड़ी कैसे होगी?
हरिया, यूनियन ग्रीन कार्ड इसी लिए तो है.

इसके द्वारा किसान खेती के लिए पूरी राशी के लिए ऋण ले सकता है, वह भी बिना किसी मार्जिन राशी के.
वाह!
रामू काका की बीमारी में उनका सारा पैसा खर्च हो गया था. आज बैंक की मदद से उनके खेत फिर से लहलहा रहे हैं.
चंदू काका तुम्हें कितना पैसा चाहिए.
यही कोई एक लाख.

अच्छा, अब तो बैंक ने एक लाख तक के यूनियन ग्रीन कार्ड पर लगने वाले फाईल प्रोसेसिंग, दस्तावेज और निरीक्षण आदि खर्चे भी माफ कर दिए हैं.
अच्छा!
सच, बैंक गरीब किसानों का कितना ख्याल रखता है. मैं कल ही आता हूं.
कुछ दिन बाद
बीज केन्द्र
अरे बंदु, इस बार बीज नहीं लेने क्या?
बहुत दिनों से नहीं आए. किसानी छोड़ दी क्या?
नहीं नादानी.

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई के ग्रामीण व कृषि कारोबार विकास विभाग द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग के समन्वयन से प्रकाशित